

কেন্দ্রীয় বিশ্ববিদ্যালয়ের আলোচনাচক্র

জাতীয় শিক্ষা নীতিরে ভারতীয়বোধ

কোরাপুর, ১৩। ১১। (আপ) : ওড়িশা কেন্দ্রীয় বিশ্ববিদ্যালয় প্রশাসনিক লাইঙ্গিক ক্যাম্পাস পরিষেবারে ‘জাতীয় শিক্ষা নীতি-২০৭০ ভারতীয় বোধ’ শাৰ্শক স্বতন্ত্র আলোচনাচক্র অনুষ্ঠিত হোଇছি। কুলপতি প্রফেসর চক্রবৰ্ত ত্রিপাঠীক অধ্যক্ষতারে আয়োজিত এই কার্য্যক্রমের মুখ্যবক্তা ভাবে রায়গুর কুশাভার ঠাকুরে সামুদ্দিকতা এবং গণ যোগাযোগ বিশ্ববিদ্যালয় কুলপতি প্রফেসর বলবেত ভাল শর্মা যোগদেল স্বতন্ত্র বক্তৃতা প্রদান করিথালো। সঞ্চালিত অভিযন্তা ভাবে বালেশ্বর ফাকারমোহন বিশ্ববিদ্যালয় পূর্বতন কুলপতি



প্রফেসর শিবপ্রসাদ অধিকারী যোগদেল জাতীয় শিক্ষা নীতি-২০৭০ উপরে সংশ্লিষ্ট বক্তব্য রশ্মিথালো।

কুলপতি প্রফেসর ত্রিপাঠী মানব বিকাশের শিক্ষার আবশ্যিক উপরে গুরুত্বারোপ করি শিক্ষা প্রমাণক কার্যক বোলি করিথালো। এথীসহ ভারতীয় পারম্পারিক শিক্ষা ব্যবস্থাকু

প্রশংসা করি ক্যারিয়ার নির্মাণ অপেক্ষা চরিত্র নির্মাণকু গুরুত্ব দেলিথালো। শিক্ষার অভিবৃদ্ধি পাই সংস্কৃতিক মূল্যবাধকু বকায় রশ্মিবা অভিয জরুরি বোলি যে করিথালো। সামুদ্দিকতা এবং গণযোগাযোগ বিভাগ মুখ্য ত.প্রদোষকুমার রথ স্বাগত ভাষণ প্রদান করিথিবা বেলে

জন প্রক্র অধিকারী ত.প্রমুনাথ ভোজ ধন্যবাদ অর্পণ করিথালো। এই অবসরের জৈব বিবিধতা বিভাগ মুখ্য প্রফেসর শরতকুমার পলিচা, ভারপ্রাপ্ত পরামা নিয়ন্তক ত.জয়কুমার নায়ক, ছাত্রকল্যাণ উন্ন ত.রমেন্দ্রকুমার পাতি, জংগাজা বিভাগ মুখ্য এবং এন্থেস্ব সংযোজক সংস্কৃতিকুমার দাসক সমেত বিশ্ববিদ্যালয়ের সমস্ত অধ্যক্ষ অধ্যাপিকা, গবেষক, কর্মচারী, ছাত্রছাত্রী উপস্থিত থিলো। সাংস্কৃতিক কার্য্যক্রম সংযোজক ত.কাকালি বামাজী এবং ত.রূপাণী মহাপ্রিয় নেতৃত্বে এক সাংস্কৃতিক কার্য্যক্রম অনুষ্ঠিত হোଇথালো।



କେତେ ଦିନ, ମହା ଓ ମନ୍ଦିର ମନୁଷ୍ୟଙ୍କରେ ଜୀବିତରେ ଦି ପୂର୍ଣ୍ଣ ଜୀବ ଆମ ଜୀବନମନ୍ତ୍ରରେ
ଅନ୍ତରୁକ୍ତ କରି, ଆମନବେଳେ କୁଳ ସିଦ୍ଧାଂସ ଗୁରୁ ପ୍ରଦ୍ୱାରା ଏବା ସାମାଜିକ ବିଭିନ୍ନରେ କରିଛି ।

'ଜାତୀୟ ଶିକ୍ଷାନୀତିରେ ଭାରତୀୟବୋଧ-୨୦୨୦' ଆଲୋଚନାଚକ୍ର

କୋରାପୁଟ, ୧୩ ୧୨(ନି.ପ୍ର.): କେତେୟ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ କୋରାପୁଟ ପକ୍ଷରୁ ଲାଣ୍ଡିଗୁଡ଼ାମ୍ଭିତ କ୍ୟାମ୍ପସ ପରିସରରେ 'ଜାତୀୟ ଶିକ୍ଷାନୀତିରେ ଭାରତୀୟବୋଧ ୨୦୨୦' ଶାର୍ଷକ ଆଲୋଚନାଚକ୍ର ଅନୁଷ୍ଠିତ ହେ । ଇମ୍ବେ ଉପରେ

ଆଲୋଚନାଚକ୍ରରେ
ରାଷ୍ଟ୍ରପୁରସ୍ଥିତ କୁଶାଭାବ
ଠାକରେ ସାମ୍ବଦ୍ଧିକତା ଓ
ଗଣ୍ୟୋଗାଯୋଗ
ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର
କୁଳପତି ପ୍ରଫେସର



ବଳଦେଖ ଭାରଶର୍ମା ମୁଖ୍ୟ ଅଭିଥ୍ବ ଭାବେ ଯୋଗଦେଇ ଜାତୀୟ ଶିକ୍ଷାନୀତି ୨୦୨୦ରେ ଭାରତର ଉନ୍ନତ ଶିକ୍ଷାର ଏକ ସମୃଦ୍ଧ ଲାଭିତା ରହିଛି । କିନ୍ତୁ ବ୍ରିଟିଶ ଅତ୍ୟାଚାରରେ ସବୁକିଛି ଅସ୍ତ୍ରବ୍ୟସ୍ତ ହୋଇପଡ଼ିଛି । ପାଣ୍ଡିତ୍ୟ ସଂସ୍କୃତ ଓ ଶିକ୍ଷାକୁ ଅନ୍ତରେ ଅନୁକରଣ କରିବା ପରିବର୍ତ୍ତେ ଭାରତର ସମୃଦ୍ଧ ସଂସ୍କୃତକୁ ଅନୁକରଣ କରିବା ପାଇଁ ପରାମର୍ଶ ଦେଇଥିଲେ । ବିଶ୍ୱ ବିଦ୍ୟାଳୟର କୁଳପତି ପ୍ରଫେସର ଡା. ଚକ୍ରଧର ତ୍ରିପାଠୀ ଅଧ୍ୟକ୍ଷତା କରି ମାନବ ସମାଜର ବିକାଶରେ ଶିକ୍ଷାର ଭୂମିକା ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ, ଶିକ୍ଷା ସମାଜର ଆଲୋକ ସଦୃଶ । ଭାରତର ପାଞ୍ଚଟିକ

ଶିକ୍ଷା ବ୍ୟବସ୍ଥା ପ୍ରଶଂସନୀୟ, ଯେଉଁଥିରେ କି ଭବିଷ୍ୟତ ନିର୍ମାଣ ଅପେକ୍ଷା ଚରିତ୍ର ନିର୍ମାଣକୁ ଅଧିକ ଗୁରୁତ୍ୱ ଦିଆଯାଇଥାଏ । ଏହା ଶିକ୍ଷାର ଅଭିଭୂତ ସହ ସାଂସ୍କୃତିକ ମୂଲ୍ୟବୋଧକୁ ବଜାୟ ରଖିବାରେ ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ଭୂମିକା ଗ୍ରହଣ କରିଛି ବୋଲି କହିଛନ୍ତି ।

ଅନ୍ୟତମ ସମ୍ବାନ୍ଧିତ ଅତି ଥୁ ଭାବେ ବାଲେ ଶ୍ରୀରାମ୍ଭିତ ପାକି ରମେହନ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର

ପୂର୍ବତନ କୁଳପତି ପ୍ରଫେସର ଶିବପ୍ରସାଦ ଅଧିକାରୀ ଯୋଗ ଦେଇଥିଲେ । କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଡା. ପ୍ରଦୋଷ ରଥ ସାଗର ଭାଷଣ ଦେଇଥିଲେ । ଡା. ଫର୍ମନାଥ ଭୋଇ ଧନ୍ୟବାଦ ଅର୍ପଣ କରିଥିଲେ । ଆଲୋଚନାଚକ୍ରରେ ଜୈବ ବିଭିନ୍ନତା ବିଭାଗ ମୁଖ୍ୟ ପ୍ରଫେସର ଶରତ କୁମାର ପାଲିତା, ଭାରପ୍ରାସ୍ତ ପରାକ୍ଷା ନିଯନ୍ତ୍ରକ ଡା. ଜୟନ୍ତ କୁମାର ନାୟକ, ଛାତ୍ର କଲ୍ୟାଣ ବିଭାଗ ଡିନ୍ ଡା. ରମେଶ କୁମାର ପାତ୍ରୀ, ଏନ୍‌ଏସ୍‌ସ୍ ସଂଯୋଜକ ସଂସ୍ଥାକୁ କୁମାର ଦାଶ ପ୍ରମୁଖ ଉପସ୍ଥିତ ଥିଲେ ।

आजाद सिपाही

ओडिशा केंद्रीय विवि में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' में भारतीय बोध' पर विशेष व्याख्यान

आजाद सिपाही संबाददाता

भूवनेश्वर। ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 16 नवंबर 2022 को अपने लैंडीगुडा परिसर में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 में भारतीय बोध' पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। बैठक की अध्यक्षता सीयूओ के कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी ने की। विशेष व्याख्यान कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर के आद्वणीय कुलपति प्रोफेसर बलदेव भाई शर्मा ने दिया। बालासोर के एफएम विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर सिवा प्रसाद अधिकारी विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 बारे में थे।

प्रोफेसर त्रिपाठी ने अपने भाषण में मानव विकास में शिक्षा की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज की रोशनी है। उन्होंने भारतीय परंपरिक शिक्षा प्रणाली की प्रशंसना की जहां कैरियर निर्माण की तुलना में चरित्र निर्माण को अधिक महत्व दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के विकास के लिए सांस्कृतिक मूल्यों को बनाए रखना बहुत महत्वपूर्ण है। शिक्षा को मजबूत करने से भारत मजबूत होगा। उन्होंने हमारे पाठ्यक्रम में गोपबंधु दास जैसे



ओडिशा के स्वतंत्रता सेनानियों को अनिवार्य विषयों के रूप में अध्ययन करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

प्रोफेसर शर्मा ने अपने भाषण में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का संशोधन सारांश दिया और नीति के प्रमुख छोत्रों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत में उन्नत शिक्षा का समृद्ध इतिहास रहा है, लेकिन ब्रिटिश अत्याचार के कारण, सब कुछ अस्थिर हो गया। उन्होंने छोत्रों से आग्रह किया कि वे पश्चिमी संस्कृति और शिक्षा के पश्चिमी पैटर्न का आंख बंद करके पालन करने के बजाय समृद्ध भारतीय संस्कृति का पालन करें। उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा प्रणाली भारतीय लोगों के लिए उपयुक्त है और नई नीति भारतीय मूल्य प्रणाली को बढ़ाएगी। शिक्षा को हमें सिखाना चाहिए कि अत्यधिक वेतनभोगी लोग होने के बजाय अच्छे इंसान कैसे बनें।

प्रोफेसर अधिकारी ने संक्षेप में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तकनीकी

पहलुओं पर प्रकाश डाला और ओडिशा के छोत्रों पर इसके प्रभाव के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि नयी नीति प्राथमिक शिक्षा को बढ़ावा देगी, जो कुल शिक्षा प्रणाली को मजबूत करेगी।

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रमुख डॉ. प्रदीप कुमार रथ ने स्वागत नोट दिया और जनसंपर्क अधिकारी डॉ. फगुनाथ भोई ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर जैव विविधता स्कूल के डीन प्रो. शरत कुमार पालिता; डॉ. जयंत कुमार नायक, परीक्षा नियंत्रक अह/सी; डॉ. रामेंद्र कुमार परही, डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर; संजीत कुमार दास, विभागाध्यक्ष अह/सी अग्रेजी और एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक; संकाय सदस्य, शोध विद्वान, कर्मचारी और विश्वविद्यालय के छात्र भी उपस्थित थे। बैठक के बाद सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. काकोली बनर्जी और डॉ. रुद्राणी मोहन्ती के नेतृत्व में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

CUO SPECIAL LECTURE ON “INDIAN ETHOS IN NATIONAL EDUCATION POLICY-2020”

admin 11 hours ago Education 9 Views

Koraput, 17/11/2022 (Odisha Samachar)-The Central University of Odisha organized a special lecture on “Indian Ethos in National Education Policy-2020” at its Landiguda Campus on 16 November 2022. The Vice



Chancellor of CUO Prof. Dr. Chakradhar Tripathi presided over the meeting. The Special lecture was delivered by Prof. Baldeo Bhai Sharma, Vice Chancellor, Kushabhau Thakre University of Journalism & Mass Communication, Raipur. Prof. Siba Prasad Adhikary, former Vice Chancellor, FM University, Balasore was the guest of honour.



Prof. Tripathi, in his speech, stressed the need for education in human development. He opined that education is the light of society. He praised the Indian traditional education system where character building was given more importance than career building. Upholding cultural values is very important for the growth of education, he said. Strengthening education will make India strong. He also stressed the need for studying the freedom fighters of Odisha like Gopabandhu Das in our curricula as compulsory subjects. He hoped the students of Central University of Odisha can change the future of Odisha and make the state one of the best states in the world.

Prof. Sharma, in his speech, gave a brief summary of the National Education Policy 2020 and highlighted the key areas of the Policy. He opined that India has a rich history of advanced education, but due to British tyranny, everything destabilized. He urged the students to follow the rich Indian culture instead of following western culture and western patterns of education blindly. The Indian education system is fit for Indian people and the new policy will enhance the Indian values system, he added. Education should teach us how to be good human beings, instead of being highly salaried people.



Prof. Adhikary briefly highlighted the technical aspects of the National Education Policy and also talked about its impact on the students of Odisha. The new policy will boost primary education which will robust the total education system, he added. The central institutions like the Central University of Odisha are the harbingers of carrying the new policy forward.

Dr. Pradosh Kumar Rath, Head I/c, Journalism & Mass Communication delivered the welcome note and Dr. Phagunath Bhoi, PRO proposed the vote of thanks. Also present on the occasion were Prof. Sharat Kumar Palita, Dean, School of Biodiversity; Dr. Jayanta Kumar Nayak, Controller of Examinations I/c; Dr. Ramendra Kumar Parhi, Dean Students’ Welfare; Shri Sanjeet Kumar Das, HoD I/c. English and NSS Programme Coordinator; faculty members, research scholars, staff and students of the University. The meeting was followed by a cultural programme led by Cultural Coordinators Dr. Kakoli Banerjee and Dr. Rudrani Mohanty.

शिक्षा को मजबूत करने से भारत होगा मजबूत - त्रिपाठी

 desk 16 hours ago Odisha

- कहा- शिक्षा है समाज की रोशनी
 - ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में “राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 में भारतीय बोध” पर एक विशेष व्याख्यान



कोरापुट। ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अपने लैंडीगुड़ा परिसर में “राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 में भारतीय बोध” पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। बैठक की अध्यक्षता सीयूओ के कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी ने की। विशेष व्याख्यान कुशभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर के आदरणीय कुलपति प्रोफेसर बलदेव भाई शर्मा ने दिया। बालेश्वर के एफएम विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर सिबा प्रसाद अधिकारी विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 के बारे में प्रकाश डाला।

प्रोफेसर त्रिपाठी ने अपने भाषण में मानव विकास में शिक्षा की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज की रोशनी है। उन्होंने भारतीय पारंपरिक शिक्षा प्रणाली की प्रशंसा की जहां कैरियर निर्माण की तुलना में चरित्र निर्माण को अधिक महत्व दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के विकास के लिए सांस्कृतिक मूल्यों को बनाए रखना बहुत महत्वपूर्ण है। शिक्षा को मजबूत करने से भारत मजबूत होगा। उन्होंने हमारे पाठ्यक्रम में गोपबंध दास जैसे ओडिशा के स्वतंत्रता सेनानियों को अनिवार्य विषयों के रूप में अध्ययन करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्र ओडिशा के भविष्य को बदल सकते हैं और राज्य को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ राज्यों में से एक बना सकते हैं।



प्रोफेसर शर्मा ने अपने भाषण में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का संक्षिप्त सारांश दिया और नीति के प्रमुख क्षेत्रों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि भारत में उन्नत शिक्षा का समृद्ध इतिहास रहा है, लेकिन ब्रिटिश अत्याचार के कारण उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे पश्चिमी संस्कृति और शिक्षा के पश्चिमी पैटर्न का आंख बंद करके भारतीय संस्कृति का पालन करें। उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा प्रणाली भारतीय लोगों के लिए उपर्युक्त प्रणाली को बढ़ाएगी। शिक्षा को हमें सिखाना चाहिए कि अत्यधिक वेतनभोगी लोग होने के बजाए प्रोफेसर अधिकारी ने संक्षेप में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तकनीकी पहलुओं पर प्रकाश डाला और ओवियन बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि नई नीति प्राथमिक शिक्षा को बढ़ावा देगी जो कुल शिक्षा प्रणाली केंद्रीय विश्वविद्यालय जैसे केंद्रीय संस्थान नई नीति को आगे बढ़ाने के अग्रदृत हैं।

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रमुख डॉ प्रदोष कुमार रथ ने स्वागत नोट दिया और जनसंपर्क धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर जैव विविधता स्कूल के डीन प्रोफेसर शरत कुमार पालिता; ह

एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक; संकाय सदस्य, शोध विद्वान, कर्मचारी और विश्वविद्यालय के छात्र भी उपास्या पा ज००५० का आप सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. काकोली बन्झी और डॉ. रुद्राणी मोहन्ही के नेतृत्व में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

CHECK ALSO

सैल्यूट तिरंगा का राष्ट्रीय
अधिवेशन एवं अटल तिरंगा
सम्मान 26 दिसंबर को दिल्ली में
कार्यक्रम को लेकर तैयारी जोरें
पर, 25 राज्यों एवं 10 देशों से
शिरकत करेंग कार्यकर्ता ...